एक नजर में

नेक्सस इंदौर सेंट्रल ने चैंपियनशिप की मेजबानी की

इंदौर. नेक्सस इंदौर सेंट्रल एक एक्शन से भरपूर दिन का गवाह बनने के लिए तैयार है, क्योंकि यहे 5 से 6 जून तक सुबह 11 बजे से पेनकैक सिलाट चैंपियनशिप की मेज़बानी कर रहा है. इस आयोजन का उद्देश्य मार्शल आर्ट्स को बढ़ावा देना है, साथ ही यहाँ आने वाले लोगों को एक दिलचस्प और ऊर्जावान खेल अनुभव प्रदान करना है. चैंपियनशिप के हिस्से के रूप में, आने वाले लोग विभिन्न मार्शल आर्ट्स अकादमियों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रशिक्षित एथलीटों द्वारा प्रतिस्पर्धी पेनकैक सिलाट मैच और लाइव प्रदर्शन देखेंगे. यह आयोजन एथलीटों के कौशल, अनुशासन, फुर्ती और ताकत को प्रदर्शित करेगा, जिससे पूरे दिन दर्शकों के लिए एक रोमांचक माहौल बना रहेगा. खेल प्रेमियों, युवाओं और परिवारों को जोड़ने के लिए तैयार की गई इस पहल का उद्देश्य मार्शल आर्ट्स और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है.

आरएसपीएल ग्रुप ने पूरे किए 50 गौरवशाली वर्ष

इंदौर. भारत के अग्रणी एफएमसीजी समूहों में शामिल आरएसपीएल ग्रुप ने अपनी स्थापना के 50 गौरवशाली वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया. पिछले 50 वर्षों में आरएसपीएल ने सदैव भारत में बना, भारतीयों के लिए बना के अपने मूल विचार को केंद्र में रखा है. यही भावना उसे देश के करोड़ों परिवारों से जोड़ती है. देशभर में स्थापित 24 से अधिक विनिर्माण इकाइयों के माध्यम से समूह ने घरेलू उत्पादन को सशक्त बनाया और भारतीय उद्योग की सामर्थ्य को नई पहचान दिलाई है. आरएसपीएल ग्रुप के डायरेक्टर मनोज ज्ञानचंदानी ने कहा 50 वर्षों की इस प्रेरणादायक यात्रा में आरएसपीएल ने एक उत्पाद से शुरुआत कर एक बहुआयामी उपभोक्ता समूह के रूप में अपनी पहचान बनाई है. जैसे-जैसे हम लाइफस्टाइल और फूड श्रेणियों में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहे हैं, हमारा उद्देश्य बेहतर गुणवत्ता, नवीनता और उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों के अनुरूप उत्पाद उपलब्ध कराना है. यह उपलब्धि हमें भारत और वैश्विक बाजारों में आने वाले कल के लिए और अधिक मजबूत बनने की प्रेरणा देती है.

विरोहन की वुमन इन हेल्थकेयर पहल

इंदौर. हेल्थकेयर एजुकेशन कंपनी विरोहन ने 'वुमन इन हेल्थकेयर' पहल की शुरुआत करते हुए 2 करोड़ रुपए की स्कॉलरशिप योजना की घोषणा की है. इस योजना के तहत पात्र महिला आवेदकों को 50,000 की स्कॉलरशिप दी जाएगी. 12वीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को एक लाख रुपए और 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को दो लाख रुपए की स्कॉलरशिप मिलेगी. विरोहन के को-फाउंडर और सीटीओ नलिन सलूजा ने कहा पहल इसी सोच पर आधारित है कि अधिक से अधिक महिलाओं को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए. आज दुनिया गंभीर रूप से हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की कमी का सामना कर रही है, और भारत के पास इस बढ़ती मांग को पूरा करने की क्षमता है.

टोयोटा ने पेश किया न्यू इनोवा क्रिस्टा

इंदौर. टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज भारत की सबसे पसंदीदा एमपीवी न्यू इनोवा क्रिस्टा लॉन्च करने की घोषणा की है. इसमें नए बोल्ड डिज़ाइन एलिमेंट्स और अतिरिक्त सुविधाएँ शामिल हैं. टोयोटा की एवर बेटर कार्स फिलॉसफी और मज़बूत कस्टमर-फर्स्ट अप्रोच के अनुरूप, यह नवीनतम अपग्रेड बदलती ग्राहक अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है. लॉन्च पर सबरी मनोहर, एवीपी, एवं वाइस प्रेसिडेंट - सेल्स, सर्विस और यूज़्ड कार बिज़नेस, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा 2005 में लॉन्च होने के बाद से 13 लाख से अधिक यूनिट्स की बिक्री के साथ, इनोवा क्रिस्टा ने एमपीवी सेगमेंट में अपनी दो दशक लंबी विरासत के जरिए रिलायबिलिटी, कम्फर्ट और वैल्यू के अनमैच बेंचमार्क स्थापित किए हैं. रिफ्रेश्ड न्यू इनोवा क्रिस्टा में सूक्ष्म लेकिन सार्थक अपडेट्स दिए गए हैं, जो नई ताज़गी का अहसास कराते हैं, जबकि वे अनरावेल्ड क्वालिटीज़ बरकरार रखते हैं जिन्हें ग्राहक सबसे अधिक महत्व देते हैं. निरंतर सुधार और कस्टमर-सेंट्रिक इनोवेशन से प्रेरित होकर, हम जीवन के हर चरण में भरोसेमंद मोबिलिटी देने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

वसुमित्र समाजसेवा समिति ने किया पौधारोपण

इंदौर. विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वसुमित्र समाज सेवा समिति द्वारा अंतरराष्ट्रीय रामसर साइट सिरपुर तालाब स्थित बटरफ्लाई पार्क में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य तितलियों के संरक्षण एवं उनकी संख्या में वृद्धि के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना था. इस अवसर पर तितलियों के जीवन चक्र के लिए आवश्यक लार्वल होस्ट प्लांट्स तथा विभिन्न फलदार पौधों का रोपण किया गया. संस्था की सचिव डॉ. ग्रीष्मा त्रिवेदी ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन के उद्देश्य से आयोजित इस पौधारोपण अभियान में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की. कार्यक्रम में जान्या पंजाबी, चारु, यशस्वी, अपरा, निकिता, अमित मंडलोई, सचिन सेहरिया, कीर्ति रानाडे सहित अनेक विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया.

जावेद जाफरी ने सरोज खान को दिया डांस का श्रेय

इंदौर. सालों से जावेद जाफरी ने खुद को भारत के सबसे बहुमुखी परफॉर्मर्स में स्थापित किया है. अपनी अनोखी स्टाइल, ऊर्जा और स्टेज प्रेज़ेंस के लिए सराहे जाने वाले जावेद मानते हैं कि उनके डांस की समझ ज़्यादातर औपचारिक ट्रेनिंग से नहीं, बल्कि इंडस्ट्री के बेहतरीन कोरियोग्राफर्स और परफॉर्मर्स को देखकर और उनसे सीखकर आई है. अपनी यात्रा को आकार देने वाले लोगों को याद करते हुए जावेद जाफरी ने बताया कि उन्हें सबसे बड़ा सबक डांस में एक्सप्रेशन का महत्व समझना था. इस सीख का श्रेय वह दिग्गज कोरियोग्राफर सरोज खान को देते हैं. जावेद कहते हैं एक्सप्रेशन मतलब सरोज खान, आप जानते हैं, बहुत कुछ. इंडियन डांस फॉर्म में एक्सप्रेशन बहुत ज़रूरी है. फिल्मों और टेलीविज़न में आने से पहले जावेद जाफरी ने मुंबई में कई डांस प्रोफेशनल्स से सीखने में समय बिताया. वह याद करते हैं कि शुरुआती दिनों में उन्होंने जैज़ डांसर्स और इंस्ट्रक्टर्स जैसे कविता साहनी, सुनीता स्ट्रक और फरीदा पेडर के साथ काम किया। लेकिन कोरियोग्राफर और डांसर कार्ला सिंह के साथ उनका जुड़ाव उनके परफॉर्मेंस की समझ पर गहरा असर छोड़ गया.

क्षेत्रीय सिनेमा के विकास के लिए ज्ञापन सौंपा

इंदौर. मध्य प्रदेश में पर्यटन के वैश्विक परिप्रेक्ष्य विषय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान मालवा टॉकीज़ के निदेशक राजेंद्र राठौड़ ने मध्य प्रदेश शासन के पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास मंत्री धर्मेंद्र भाऊ लोधी से सौजन्य भेंट कर प्रदेश में क्षेत्रीय सिनेमा के विकास तथा फिल्म अनुदान नीति के सरलीकरण एवं संशोधन संबंधी ज्ञापन सौंपा. राजेंद्र राठौड़ ने मंत्री जी को अवगत कराया कि मध्य प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, लोककला, ऐतिहासिक धरोहर, धार्मिक आस्था एवं पर्यटन स्थलों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए क्षेत्रीय सिनेमा का विकास अत्यंत आवश्यक है. मालवी, निमाड़ी, बुंदेली, बघेली, गोंडी तथा अन्य स्थानीय भाषाओं में बनने वाली फिल्में प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं और पर्यटन स्थलों को विश्व स्तर पर प्रचारित करने का सशक्त माध्यम बन सकती हैं. ज्ञापन में माँग की गई कि मध्य प्रदेश की फिल्म नीति में आवश्यक संशोधन कर क्षेत्रीय फिल्मों के लिए अनुदान प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं व्यावहारिक बनाया जाए. साथ ही, अन्य राज्यों की तर्ज पर प्रत्यक्ष अनुदान व्यवस्था लागू की जाए, जिससे स्थानीय फिल्म निर्माताओं को प्रोत्साहन मिल सके और प्रदेश में अधिक से अधिक क्षेत्रीय फिल्में निर्मित हो सके.

द ओडिसी की आईमैक्स एडवांस बुकिंग 8 जून से शुरू होगी

इंदौर. क्रिस्टोफर नोलन की बहुप्रतीक्षित फिल्म द ओडिसी का इंतजार कर रहे भारतीय दर्शकों के लिए अच्छी खबर है. 8 जून से भारत में इस फिल्म की आईमैक्स एडवांस बुकिंग शुरू हो जाएगी. इसके साथ ही भारतीय दर्शक दुनिया के उन पहले लोगों में शामिल होंगे, जो इस फिल्म के लिए अपनी पसंदीदा सीटें पहले से बुक कर सकेंगे. पूरी तरह आईमैक्स कैमरों से शूट की गई यह दुनिया की पहली फीचर फिल्म है. फिल्म 17 जुलाई को भारत समेत दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी. ऑस्कर विजेता निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन ने इस फिल्म को लिखा और निर्देशित किया है. यह फिल्म होमर की मशहूर महाकाव्य कहानी पर आधारित है, जिसे बड़े पर्दे पर बिल्कुल नए अंदाज में पेश किया गया है. कहानी इथाका के राजा ओडिसियस की है, जो ट्रॉय युद्ध खत्म होने के बाद अपने घर लौटने के लिए लंबी और खतरनाक यात्रा पर निकलते हैं. वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर डेंजिल डायस ने कहा कि द ओडिसी सिनेमा के इतिहास की पहली फिल्म है, जिसे पूरी तरह आईमैक्स कैमरों से शूट किया गया है।उन्होंने बताया कि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए क्रिस्टोफर नोलन ने करीब दो दशक तक काम किया.

सिंहस्थ के पहले एमआर-12 पर बनेगा फ्लाई ओवर

- आईडीए तीन लेन ब्रिज का टेंडर करेगा जारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. आईडीए द्वारा एमआर 12 पर तीन लेन का फ्लाई ओवर ब्रिज बनाया जाएगा. इसके आईडीए ने टेंडर जारी करने की तैयारी कर ली है. संभवत: इस महीने एमआर टेंडर जारी कर दिया जाएगा. खास बात यह है कि उक्त फ्लाई ओवर ब्रिज पहले आईडीए 6 लेन का बना रहा था, लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग से विवाद के बाद एक तरफ का तीन लेन हिस्सा बनाएगा. उक्त तीन लेन ब्रिज सिंहस्थ के पहले निर्माण करने का लक्ष्य तय किया है.

आईडीए ने सिंहस्थ को लेकर बड़ी चुनौती ले ली है. आईडीए एमआर-12 सड़क पर तीन लेन का रेलवे ओवरब्रिज निर्माण करेगा. आईडीए ने 750 मीटर लंबे और तीन लेन चौड़े ब्रिज निर्माण की अनुमानित लागत 42 करोड़ रुपए के आसपास आंकी है. इसके लिए आईडीए ने रेल्वे विभाग एक हिस्से के ड्राइंग डिजाइन और ब्रिज अलॉयमेंट बदलने का काम कर लिया है. आईडीए द्वारा उक्त ब्रिज निर्माण के टेंडर इसी जाती किए जाने की संभावना है, क्योंकि आईडीए को सिंहस्थ कर पहले रेलवे ओवरब्रिज शुर्ह करना है. आईडीए के पास सिर्फ 15 महीने का समय है, यानी दिसंबर 2027 तक. मार्च 2828 से सिंहस्थ मेला शुरू होने की तारीखें घोषित हो चुकी है. ध्यान रहे कि आईडीए को पश्चिम रेल मंडल द्वारा एमआर 12 पर रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण का मंजूरी पत्र मिल गया था. इसमें रेलवे स्पान की ड्राइंग और डिजाइन के साथ तकनीकी मंजूरी होती है, जो ब्रिज निर्माण के दौरान निर्माण एजेंसी को विशेष ध्यान रखना जरूरी होता है. आईडीए एमआर 12 सड़क पर केलोद हाला गांव के रेलवे क्रॉसिंग पर ब्रिज निर्माण करेगा. निर्माण कार्य में देरी का कारण पीडब्ल्यूडी द्वारा उक्त ब्रिज का ठेका देने की बात पर दोनों विभाग आमने सामने हो गए थे. बाद में सचिव स्तर पर बैठक कर निर्णय किया गया कि 6 लेन में से एक तीन लेन का हिस्सा आईडीए और दूसरा तीन लेन का हिस्सा पीडब्ल्यूडी बनाएगा. पीडब्ल्यूडी का भी उक्त रेलवे ओवरब्रिज निर्माण का कार्य चल रहा है. बताया जाता है कि उक्त ब्रिज को आईडीए सिंहस्थ के कारण 2027 मार्च में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य लेकर चल रहा था. मगर अब विवाद के बाद फिर से सारी तैयारियां करके इस महीने टेंडर जारी करेगा. अब दिसंबर 2027 में ब्रिज निर्माण कार्य पूरा करने की योजना बना रहा है.

सिंहस्थ का यातायात दबाव कम करने बड़ा सहायक होगा ब्रिज

एमआर 12 सड़क 250 फीट चौड़ी बन रही है. उक्त सड़क पर फ्लाई ओवर ब्रिज बनने के बाद उज्जैन रोड पर आने और जाने वाले वाहन सीधे बायपास पर पहुंच जाएंगे. इससे सिंहस्थ में यातायात व्यवस्था को सुगमता मिलेगी. इसमें पीडब्ल्यूडी के कारण विवाद की स्थिति बन गई थी. अब आईडीए 3 लेन ब्रिज बना रहा है और उक्त ब्रिज एक साल में पूरा करने का लक्ष्य लेकर टेंडर जारी करने वाला है. इसके बाद भौरासला चौराहे से सीधे बायपास और बायपास से सीधे उज्जैन रोड पर आने के लिए उक्त एमआर 12 ब्रिज यातायात के सुगमता के लिए जीवन रेखा साबित होगा. शहर में यातायात का दबाव कम होगा.

विभागों से संशोधन होकर आया

आईडीए सीईओ डॉ. परीक्षित झाड़े ने बताया कि रेलवे विभाग से संशोधन होकर आ गया है. साथ ही टीएनसीपी से ब्रिज का 90 डिग्री एंगल भी संशोधित होकर आ गया है. जल्दी टेंडर जारी कर निर्माण शुरू कर देंगे. सिंहस्थ के पहले रेलवे ओवरब्रिज शुरू करने का लक्ष्य भी तय करके चलेंगे.

युवाओं को संगठन से जमीनी स्तर पर जोड़ने का पुरस्कार मिला मीनाक्षी को

नव भारत न्यूज

इंदौर. कांग्रेस ने मंदसौर की पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन को राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया है. मीनाक्षी को राहुल गांधी के इनर सर्कल के नेता माना जाता है. उनकी युवाओं को संगठन से जोड़ने के जमीनी स्तर पर कार्य करने का पुरस्कार स्वरूप राज्यसभा उम्मीदवारी मिली है.

मीनाक्षी का राजनीतिक सफर अलग तरह का माना जाता है, क्योंकि वे लॉ ग्रेजुएट होने से सोच समझ वाली महिला नेता की छवि बनाने में सफल रही है. उनको राजनीति में एनएसयूआई और युवक कांग्रेस के चुनाव का जनक माना जाता है, जब राहुल गांधी कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव बनकर एनएसयूआई और युवक कांग्रेस के प्रभारी बने थे. उनके साथ मीनाक्षी नटराजन ने कांग्रेस संगठन मजबूत करने के लिए एनएसयूआई और युवक कांग्रेस में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव करा कर ब्लॉक से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का तरीका इजाद किया है. इसके पहले कांग्रेस में उपर से नेताओं के कोटे से एनएसयूआई और युवक कांग्रेस भीड़ जमा करने के आधार पर बनाए जाते थे. उनकी सोच का परिणाम है कि जब वे प्रदेश युवक कांग्रेस अध्यक्ष बनी तो जीतू पटवारी और उमंग सिंगार भी जिला कांग्रेस अध्यक्ष हुआ करते थे. उनकी आधुनिक और जमीनी स्तर पर कांग्रेस को संगठन स्तर पर मजबूत करने के सोच का परिणाम था कि राहुल गांधी ने उनको कांग्रेस के सबसे अहम राजीव गांधी पंचायती राज संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी थी. वे 2009 में मंदसौर लोकसभा से कांग्रेस सांसद बनी, लेकिन इसके पूर्व मीनाक्षी एनएसयूआई प्रदेश, युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, फिर एनएसयूआई की राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ नेहरू युवा केंद्र की उपाध्यक्ष भी रही है. यह बात अलग है कि वे भीड़ जमा करने वाली नेता नहीं बन सकी. यही कारण है कि 2014 में मंदसौर लोकसभा का चुनाव हार गईं. इसके बाद कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव बन फिलहाल तेलंगाना राज्य की प्रभारी है. उनकी संगठन कार्य क्षमता के कारण राहुल गांधी के इनर सर्कल की नेता की छवि राजनीतिक स्तर पर मानी जाती है. इसी का फल मीनाक्षी को राहुल ने राज्यसभा का उम्मीदवार बना कर पुरस्कृत किया है, ताकि आगे कांग्रेस के संगठन स्तर पर उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सके.

विजयवर्गीय के बयान के मायने

कांग्रेस से मीनाक्षी नटराजन को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाए जाने पर आज मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राज्यसभा चुनाव में मतदान कराने का बयान दिया. विजयवर्गीय ने कहा कि पार्टी ने दो उम्मीदवार घोषित किए है, यदि तीसरा उम्मीदवार दे दें तो हम उसको भी जीता सकते हैं. इसमें अंदरूनी तौर पर खुद को भी राज्यसभा उम्मीदवार बताने की कोशिश की है. उनके इस बयान को राजनीतिक हलकों में परोक्ष रूप से क्रॉस वोटिंग की संभावनाओं के संदर्भ में देखा जा रहा है.

मेट्रो दूसरे चरण का लोकार्पण 18 जून को

- अब चलेगी मुख्य शहरी क्षेत्र में, यात्री मिलने की पूरी उम्मीद

नव भारत न्यूज

इंदौर. आखिर तीन माह से निर्माण और तकनीकी रूप से पूरी होकर लोकार्पण के इंतजार कर रही मेट्रो दूसरे चरण की लाइन शुरू होने का समय तय हो गया. वैसे एक साल के इंतजार के बाद अब मेट्रो सुपर कॉरिडोर से आगे रेडिसन चौराहे पर यात्रियों के साथ पहुंचेगी. इसमें टीसीएस, लवकुश चौराहे से मालवीय नगर चौराहे तक मेट्रो को हजारों की संख्या में यात्री मिलने के पूरी संभावना है. इसका कारण यह है कि यही मेट्रो का वो हिस्सा है, जिसमें बड़ी संख्या में व्यवसायिक ऑफिस, हॉस्पिटल और घानी आबादी वाला क्षेत्र है.

इंदौर में 18 जून से सुपर कॉरिडोर के गांधी नगर स्टेशन से रेडिसन चौराहे तक मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू होगा. इसको लेकर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की मेट्रो प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक में मुद्दा उठा था कि देरी होने पर दो माह पिछड़ जाएंगे.

26 जून तक मेट्रो का लोकार्पण नहीं किया तो दोबारा लेनी होगी अनुमति

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर मेट्रो के नए रूट पर संचालन की दिल्ली से अनुमति मिले दो माह से ज्यादा हो गए है. इस महीने की 26 जून के पहले सरकार ने लोकार्पण नहीं किया, तो दिल्ली मेट्रो रेल सीएमआरएस द्वारा जारी अनुमति की वैधता खत्म हो जाएगी. इसके बाद फिर नए सिरे से सीएमआरएस की रेल सेफ्टी ऑडिट और सभी स्टेशनों का निरीक्षण

सीएमआरएस के दिल्ली से जारी अनुमति को दो महीने से ज्यादा समय हो गया है. मतलब यह है कि मेट्रो दूसरे चरण के 11.5 किलोमीटर व्यवसायिक संचालन करने के सिर्फ 25 दिन बचे हैं. इसके साथ ही शहर में 17.5 किलोमीटर एलिवेटेड कॉरिडोर पर मेट्रो शुरू नहीं होने से आम जनता को मेट्रो का लाभ नहीं मिल पा रहा है. ध्यान रहे कि मेट्रो रेल के दूसरे चरण में सुपर कॉरिडोर-02

मेट्रो कार्यालय को 26 मार्च को मेल के जरिए अनुमति मिल गई थी.

1 जून हो गई है और मेट्रो रेल दूसरे चरण में सुपर कॉरिडोर 02 से लेकर मालवीय नगर चौराहे तक मेट्रो के व्यवसायिक संचालन का इंतजार में हैं. यदि सरकार ने 26 जून के पहले दूसरे चरण का व्यवसायिक संचालन का लोकार्पण नहीं किया, तो फिर से स्थानीय मेट्रो को व्यवसायिक संचालन

नव भारत ने आगाह किया था......इसके बाद ही निर्णय हुआ

इसके बाद सहमति बनी और तारीख तय हो गई. अब आगामी 18 जून को केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्टर एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मेट्रो के दूसरे चरण का व्यवसायिक संचालन करने को लेकर हरी झंडी दिखाएंगे। इसके साथ ही इंदौर में मेट्रो अब पूरे 17 किलोमीटर का सफर तय करने लगेगी. ध्यान देने वाली बात यह है कि मेट्रो दूसरे चरण में 11 स्टेशन और 11.5 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड लाइन का निर्माण रिकॉर्ड एक साल में पूरा किया गया है. बस इंतजार सिर्फ लोकार्पण का था, जो तीन महीने से आगे बढ़ रहा था, लेकिन अब 18 जून वो इंतजार खत्म करने जा रही है. यह बात

अलग है कि लोकार्पण का स्थान अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, बापट चौराहा स्थित आनंद मोहन माथुर सभागृह या फिर विजयनगर चौराहे पर रिलायंस के आईडीए वाले प्लॉट पर संभावित है।

भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन व्यापार एवं निवेश का आयोजन आज

- मुख्यमंत्री करेंगे कार्यक्रम का शुभारंभ
- 15 से अधिक देशों के राजनयिक प्रतिनिधि होंगे शामिल

नव भारत न्यूज

इंदौर. शनिवार को शहर में प्रदेश में औद्योगिक विकास एवं निवेश को नई वैश्विक दिशा देने के लिए भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन व्यापार एवं निवेश मंच का आयोजन हो रहा है. उक्त आयोजन मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम एवं ग्लोबल इंडिया बिजनेस फोरम के सहयोग से किया जा रहा है.

शनिवार को शहर की रेडिसन होटल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सुबह 11 बजे भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन व्यापार एवं निवेश मंच के कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे. मंच में लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन क्षेत्र के 15 से ज्यादा देशों के 350 से अधिक राजदूतों, उच्चायुक्तों, राजनयिक प्रतिनिधियों,

उद्योग संगठनों, निवेशकों एवं व्यापारिक प्रतिनिधि भाग लेंगे. उक्त मंच भारत और लैटिन अमेरिका-कैरेबियन देशों के बीच व्यापार, निवेश, औद्योगिक सहयोग एवं दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ करने के लिए आयोजित किया गया है. उक्त निवेश मंच से मध्यप्रदेश को देश के एक उभरते हुए वैश्विक निवेश एवं निर्यात केंद्र के रूप में प्रस्तुत करना मुख्य उद्देश्य है. विगत वर्षों में मध्य प्रदेश और लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन देशों के बीच व्यापारिक संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है. वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य का उक्त क्षेत्र के देशों को निर्यात 3,835 करोड़ रुपए तक पहुंचा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है. राज्य के फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग, कृषि-आधारित उत्पाद, पैकेजिंग एवं विनिर्माण उत्पाद 33 से अधिक देशों तक पहुंच रहे हैं. कार्यक्रम में विभिन्न देशों के राजनयिक प्रतिनिधियों द्वारा निवेश को लेकर प्रस्ताव दिए जाएंगे. व्यापार, विनिर्माण, कृषि, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और सतत विकास जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे. इसके अतिरिक्त निवेशकों, उद्योग प्रतिनिधियों एवं सरकारी संस्थाओं के मध्य बी2बी एवं बी2जी बैठकें भी आयोजित होंगी.

कायक्रम की मुख्य बातें

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में उद्घाटन सत्र से होगा, जिसमें दीप प्रज्ज्वलन, राजनयिक समुदाय का सम्मान, लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन देश के प्रमुख का विशेष संबोधन, एक विशेष भारत-एलएसी संस्करण का विमोचन किया जाएगा. मुख्यमंत्री का मुख्य संबोधन होगा. एमपीआईडीसी द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रदेश को निवेश केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा. इसके पश्चात देश-वार निवेश प्रस्तुतियाँ एवं तीन पैनल चर्चाएँ होंगी. व्यापार एवं निवेश के अवसर; विनिर्माण क्षेत्र में व्यापार एवं निवेश (फार्मा, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल एवं खाद्य प्रसंस्करण); तथा सेवा क्षेत्र में व्यापार एवं निवेश (सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन, फिनटेक एवं शिक्षा). फोरम का समापन बी2बी एवं बी2जी बैठकों से होगा.

ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियों का आयुक्त ने किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज़

इंदौर. आगामी ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियों को लेकर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) एवं जिला पंचायत अधिकारियों के साथ शहर के प्रमुख मार्गों और महत्वपूर्ण स्थलों का संयुक्त निरीक्षण किया.

आयुक्त ने एयरपोर्ट से सुपर कॉरिडोर, लवकुश चौराहा, बापट चौराहा, विजय नगर चौराहा, स्टार चौराहा होते हुए सम्मेलन स्थल शेरेटन ग्रैंड पैलेस इंदौर तक व्यवस्थाओं का जायजा लिया. उन्होंने विशेष सफाई अभियान चलाने, निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) कचरा हटाने, सड़कों की मरम्मत, डिवाइडरों की पुताई, ब्रांडिंग और सौंदर्यीकरण कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए.

आयुक्त ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में इंदौर की स्वच्छ और सुव्यवस्थित छवि प्रस्तुत करना प्राथमिकता है. इस दौरान प्रकाश व्यवस्था, हरित क्षेत्रों के रखरखाव, यातायात संकेतकों और अन्य नागरिक सुविधाओं की भी समीक्षा की गई. इसके अलावा आयुक्त ने संभावित अतिथि भ्रमण कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए राजवाड़ा महल, 56 दुकान और ढक्कन वाला कुआं ग्रामीण हाट बाजार का निरीक्षण कर हेरिटेज वॉक (विरासत भ्रमण), ग्रामीण हाट बाजार और 56 दुकान पर आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में दिशा-निर्देश दिए.

स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली वास्तविक सुख का आधार

- पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 'द जॉयफुल एजुकेटर' का आयोजन

नवभारत न्यूज

इंदौर. एसजीएसआईटीएस के रेखी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर द साइंस ऑफ हैप्पीनेस द्वारा 1 से 5 जून 2026 तक पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 'द जॉयफुल एजुकेटर' का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और समग्र कल्याण को बढ़ावा देना था.

केंद्राध्यक्ष डॉ. सारिका तिवारी ने कहा कि 'साइंस ऑफ हैप्पीनेस' आज की शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुकी है. उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. भारत रावत ने स्वस्थ एवं संतुलित

जीवनशैली को वास्तविक सुख का आधार बताया. संस्थान के निदेशक प्रो. नितेश पुरोहित ने कहा कि भविष्य की शिक्षा में भावनात्मक बुद्धिमत्ता, सकारात्मक सोच और जीवन कौशल का विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना विषयगत ज्ञान. कार्यक्रम के प्रमुख विशेषज्ञ डॉ. हरि कृष्णा एवं डॉ. ऋतु शर्मा (रेखी फाउंडेशन) ने माइंडफुलनेस, पॉजिटिव साइकोलॉजी, न्यूरोसाइंस और इमोशन रेगुलेशन जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया. प्रतिभागियों को तनाव प्रबंधन, आत्म-जागरूकता, भावनात्मक संतुलन तथा सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की व्यावहारिक तकनीकों से अवगत कराया गया. समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा मिली. अंत में केंद्र की समन्वयक प्रो. गौरी गुप्ता ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया.

एक नजर में — देवी अहिल्या विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देने में जुटा

बी-डिजाइन कोर्स की सीटें बढ़ाकर की दोगुनी आधुनिक लैब से मिलेगा प्रैक्टिकल अनुभव

नवभारत न्यूज़

इंदौर. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय रोजगारोन्मुखी और स्किल आधारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देने में जुटा है. इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने पिछले शैक्षणिक सत्र 2025-26 में बी-डिजाइन बैचलर ऑफ डिजाइन कोर्स शुरू किया था, जिसे विद्यार्थियों का अच्छा प्रतिसाद मिला.

परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी ने बताया कि बी-डिजाइन के अंतर्गत कम्युनिकेशन डिजाइन और प्रोडक्ट डिजाइन जैसे पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं. पिछले वर्ष इस कोर्स में 30 सीटें निर्धारित की गई थीं, जिनमें से 26 सीटों पर प्रवेश हुआ था. विद्यार्थियों की बढ़ती रुचि को देखते हुए इस वर्ष सीटों की संख्या बढ़ाकर 60 कर दी गई है. उन्होंने बताया कि कोर्स की आवश्यकता के अनुरूप आधुनिक लैब विकसित की जा रही हैं, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर प्रायोगिक प्रशिक्षण और उद्योगों की जरूरतों के अनुसार तकनीकी ज्ञान प्राप्त हो सके. विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों को केवल सैद्धांतिक शिक्षा तक सीमित न रखकर उन्हें व्यावहारिक अनुभव भी उपलब्ध कराना है. बी-डिजाइन में कम्युनिकेशन डिजाइन और प्रोडक्ट डिजाइन दोनों विषय शामिल हैं, लेकिन वर्तमान समय में प्रोडक्ट डिजाइन पर विशेष जोर दिया जा रहा है. उद्योग जगत में किसी भी उत्पाद की सफलता में उसके डिजाइन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. आकर्षक और उपयोगी डिजाइन उत्पाद की बाजार में पहचान बनाने और बिक्री बढ़ाने में सहायक होता है।

प्रशिक्षित विद्यार्थियों के लिए अवसर

डॉ. तिवारी ने बताया कि प्रोडक्ट डिजाइन के क्षेत्र में प्रशिक्षित विद्यार्थियों के लिए भविष्य में मल्टीनेशनल कंपनियों में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हैं. इस क्षेत्र की बढ़ती मांग को देखते हुए विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने पर विशेष ध्यान दे रहा है.